पुस्तकालय
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

वर्ष 2010-11 के दौरान किए गए हिंदी कार्यों/गतिविधियों की एक झलक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की ने भारत सरकार की राजभाषा नीति का समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के साथ-साथ रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में बढ़ोत्तरी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 2010-11 के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2010-11 के वार्षिक कार्यक्रम में यथानिर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हिंदी की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की। संस्थान ने राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों तथा जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में राजभाषा नीति के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन हेतु अपना वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया। इसके तहत संस्थान ने केंद्रीय तथा राज्य सरकार के कार्यालयों के साथ अधिकांश पत्राचार हिंदी में किया। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है इसलिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की को राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया है। संस्थान भारत सरकार की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरन्तर प्रयास करता आ रहा है।

संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो, इसके लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं। इसके तहत अधिकारियों के लिए 'सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन' तथा कर्मचारियों के लिए 'सर्वाधिक हिंदी कार्य' प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित ढंग से अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। संस्थान परिसर में लगे सभी नोटिस बोर्ड, नाम-पट्ट तथा साइन बोर्ड द्विभाषी रूप में बनवाए गए हैं। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फार्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं और इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा हैं।

इसके अलावा संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान आयोजित की गई विभिन्न हिंदी गतिविधियों का तिथिवार क्रम में विवरण निम्नवत् है :-

- दिनांक 18 जून, 2010 को संस्थान की तकनीकी हिंदी पत्रिका **जल चेतना** के प्रवेशांक के सम्पादन एवं प्रकाशन कार्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई जिसमें निस्केयर, नई दिल्ली की साइंस मैगजीन- **विज्ञान प्रगति** के संपादक श्री प्रदीप शर्मा को आमंत्रित किया गया ।
- दिनांक 12 जुलाई से 16 जुलाई, 2010 तक केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गहन हिंदी कार्यशाला में श्री पी.के.उनियाल, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक को प्रशिक्षण हेतु नामित किया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक 30 जुलाई, 2010 को आयोजित 10वीं अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान की ओर से श्री ए.पी.चमोली, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, डॉ. रमा मेहता, वैज्ञानिक-सी एवं राजभाषा प्रभारी, श्री पी.के.उनियाल वरि0 अनुवादक, श्री पवन कुमार, आशुलिपिक तथा श्री दौलत राम, आशुलिपिक ने प्रतिभाग किया तथा संस्थान में हो रहे हिंदी कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- संस्थान में दिनांक 30 अगस्त, 2010 को 'हिंदी में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी लेख कैसे लिखें ?' विषय पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में श्री प्रदीप शर्मा, वैज्ञानिक-एफ, निस्केयर, नई दिल्ली को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। इस कार्यशाला में 50 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान में दिनांक 14 सितम्बर, 2010 को हिंदी दिवस तथा इसी दिन से शुरू करके हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस दौरान हिंदी की निबन्ध, काव्य-पाठ, राजभाषा प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, हिंदी टाइपिंग, हिंदी सुलेख तथा नोटिंग/ड्राफ्टिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। हिंदी पखवाड़े का उदघाटन समारोह दिनांक 14 सितम्बर, 2010 को आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि **प्रो. महावीर अग्रवाल**, उपाध्यक्ष उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार एवं उपकुलपति गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार थे। हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह 28 सितम्बर, 2010 को सम्पन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि **प्रो0 दुर्ग सिंह चौहान**, कुलपति उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'प्रवाहिनी' के 17वें अंक का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि ने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ में विजयी रहे पदाधिकारियों को पुरस्कार भी प्रदान किए।
- संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'प्रवाहिनी' के 17वें अंक का सितम्बर माह में प्रकाशन किया गया जिसमें संस्थान के ही नहीं अपितु संस्थानेतर व्यक्तियों के लेखों को भी प्रकाशित किया गया। नौ उत्कृष्ट लेखों को पुरस्कृत भी किया गया।
- संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट (2009-2010) के अंग्रेजी पाठ का हिंदी रूपान्तरण कर इसे निर्धारित समयावधि के अन्दर हिंदी में प्रकाशित किया गया।
- संस्थान की तकनीकी हिंदी पत्रिका जल चेतना के प्रकाशन कार्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए दिनांक 2-3 दिसम्बर, 2010 को एक बैठक आयोजित की गई जिसमें निस्केयर, नई दिल्ली की साइंस मैगजीन-विज्ञान प्रगति के संपादक श्री प्रदीप शर्मा से विस्तृत चर्चा की गई तथा कुछ महत्वपूर्ण लेखों का संपादन भी किया गया।
- राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की विभिन्न शोध एवं विकासात्मक गतिविधियों के साथ-साथ उपलब्धियों, आधारभूत संरचनाओं, प्रयोगशालाओं तथा अन्य विद्यमान सुविधाओं को उजागर करते हुए निस्केयर, नई दिल्ली ने अपनी साइंस मैगजीन-विज्ञान प्रगति के जनवरी 2011 अंक में एक विस्तृत एवं रोचक आर्टिकल प्रकाशित किया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक 28 जनवरी, 2011 को टी.एच.डी.सी. ऋषिकेश में आयोजित 11वीं अर्धवार्षिक बैठक में श्री ए.पी.चमोली, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, डॉ. रमा मेहता, वैज्ञानिक-सी एवं राजभाषा प्रभारी, श्री पी.के. उनियाल, वरि0 अनुवादक, श्री पवन कुमार, आशुलिपिक तथा श्री दौलत राम, आशुलिपिक ने प्रतिभाग किया तथा संस्थान में हो रहे हिंदी कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की । इस अवसर पर संस्थान को नराकास सचिवालय द्वारा उत्कृष्ट हिंदी कार्यों के लिए राजभाषा वैजयन्ती शील्ड भी प्रदान की गई ।
- संस्थान में दिनांक 01 फरवरी, 2011 को 'नोटिंग/ड्राफ्टिंग, अनुवाद, शब्दावली, वार्षिक कार्यक्रम एवं भारत सरकार की राजभाषा नीति' विषय पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में

मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, देहरादून के डॉ. एम.आर. सकलानी, सहायक निदेशक (राजभाषा) को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया । इस कार्यशाला में 48 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 50वीं बैठक दिनांक 04 फरवरी, 2011 को आयोजित की गई। इस बैठक में पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई, विगत तिमाही की हिंदी प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा तथा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में किए जाने वाले विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया गया और आगामी तिमाही के लिए लक्ष्य भी निर्धारित किए गए।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक 09 मार्च, 2011 को बी.एच.ई.एल हरिद्वार में आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में श्री पी.के.उनियाल, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक को प्रतिभाग हेतु नामित किया गया।
- ग्रामीण महिलाओं को जल एंव जल संरक्षण विषय पर जानकारी देने के लिए दिनांक 29 मार्च, 2011 को आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खेडली (बहादराबाद) में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें ग्रामीण महिलाओं को जल संरक्षण संबंधी अनेकों जानकारियाँ दी गई तथा महिलाओं द्वारा अपने घरों से लाए गए जल की गुणवत्ता का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक सुझाव दिए गए। इस कार्यशाला में 56 महिलाओं तथा 35 स्कूली बच्चों ने भाग लिया।

*****